दिल्ली को मिली हार

आईपीएल के इस सीजन दिल्ली कैपिटल्स के साथ एक बहुत ही खराब संयोग बना हुआ है। सीजन के पहले मैच में मिली जीत के बाद उसे लगातार दो हार मिली। लेकिन इसके बाद जीत के बाद हार, फिर जीत, फिर हार, फिर जीत का सिलसिला बना हुआ है। इस हिसाब से दिल्ली को चेन्नै सुपर किंग्स के खिलाफ नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में हार मिलनी थी।

ऋषभ पंत का शॉट देख खुशी से झूम उठी गर्लफ्रेंड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत को चीयर करने के लिए उनकी गर्लफ्रेंड ईशा नेगी पहुंची हुई थीं। जब ऋषभ ने चौका जड़ा तो कैमरा की निगाहें ईशा पर जा टिकीं। वह बॉयफ्रेंड के शॉट पर खुशी से झूम रही थीं। वीआईपी बॉक्स में बैठीं ईशा की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि, इस मुकाबले में दिल्ली को 91 रनों से हार मिली है।

पंत ने अपने कोटे के पहली गेंद पर कोई रन नहीं लिया लेकिन इसके बाद लगातार चार गेंदों पर चार चौके जड़ दिए। दूसरी तरफ मार्श भी काफी आक्रामक दिखे। दोनों ने सातवें ओवर की समाप्ति तक टीम को 70 रन तक पहुंचाकर मैच में बनाए रखा। लेकिन, पारी के आठवें और अपने पहले ओवर में मोईन अली ने मार्श को रुतुराज के हाथों कैच कराकर इस जोड़ी को तोड़ा। अगले ओवर में मोईन ने पंत और रिपल पटेल को भी चलता कर दिल्ली का दम निकाल दिया। इसके ठीक अगले ओवर में मुकेश चौधरी ने पहले अक्षर को बोल्ड किया और फिर दिल्ली की आखिरी उम्मीद रॉवमैन पॉवेल को कैप्टन धोनी के हाथों कैच कराकर चेन्नै की जीत सुनिश्चित कर दी।

धोनी से मिले ज्ञान के बाद डेवोन कॉन्वे ने लाया तूफान

क्रिकेट

आईपीएल अंक तालिका में सीएसके आठवें नंबर पर पहुंची

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे की बदौलत टीम ने आईपीएल के इस सीजन में चौथी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ आईपीएल अंक तालिका में सीएसके आठवें नंबर पर पहुंच गई है। कॉन्वे ने मैच के बाद कहा कि, कप्तान धोनी द्वारा उन्हें स्वीप शॉट खेलने की सलाह मिली थी, जिसका उन्होंने अच्छे से पालन किया। रविवार को सीएसके ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 91 रनों से जीत दर्ज की। बाएं हाथ के बल्लेबाज कॉन्वे ने 49 गेंदों में 87 रन की पारी खेली, जहां उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

कॉन्वे ने खुलासा किया कि वह अपनी बल्लेबाजी को आसान रखना चाहते थे, जिससे वह बड़ा स्कोर बनाने में कामयाब रहे। कॉन्वे ने मैच समाप्त होने के बाद कहा कि, 'मुझे सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ के साथ लंबी साझेदारी निभाने में बहुत मजा आया। उन्होंने इस पर बल्लेबाज कोच माइक हसी के साथ भी चर्चा की थी कि गेंदबाजों को कैसे निशाना बनाना होगा। जिस तरह से गायकवाड़ और मैंने पारी को संभाला उससे वास्तव में मैं बहुत खुश हूं।'

इस सीजन में सीएसके के बाएं हाथ के बल्लेबाज कॉन्वे का यह लगातार तीसरा अर्धशतक था क्योंकि बल्लेबाज की वजह से टीम ने स्कोर बोर्ड पर छह विकेट खोकर 208 रन बनाए। चेन्नई सुपर किंग्स डॉट कॉम के अनुसार, बल्लेबाज ने सिर्फ 49 गेंदों का सामना किया, उनमें से सिर्फ 10 गेंदें डॉट्स गई। शुरुआत में कॉन्वे ने गेंदों को परखा इसके बाद उन्होंने ब्राउंड्री लगाना शुरू किया, जिस वजह से उन्हें लंबी पारी खेलना का मौका मिला।

स्पिन के खिलाफ कॉन्वे का खेल तब सामने आया जब उन्होंने स्पिनरों के खिलाफ अपने पैरों और क्रीज का बेहतरीन तरीके से इस्तेमाल किया। उन्होंने अक्षर पटेल के पांचवें ओवर में लगातार दो छक्के जड़े। अक्षर की नौ गेंदों का सामना करते हुए उन्होंने 17 बटोरे। जबकि कुलदीप की स्पिन के खिलाफ उन्होंने 10 गेंदों पर 37 रन बटोरे, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल थे।

कॉन्वे की बल्लेबाजी का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह था कि उन्होंने अपनी पारी को गति दी और गायकवाड़ के साथ पहले विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी निभाई।

जोकोविच को हराने वाले अलकारेज ने जीता मैड्रिड ओपन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मैड्रिड। स्पेन के युवा खिलाड़ी कार्लोस अलकारेज ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जर्मनी के अलेक्सांद्र ज्वेरेव को सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। क्वॉर्टर फाइनल में अपने आदर्श खिलाड़ी राफेल नडाल और सेमीफाइनल में दुनिया में नंबर एक नोवाक जोकोविच को हराने के बाद 19 वर्षीय अलकारेज ने फाइनल में ज्वेरेव को 6–3, 6–1 से पराजित किया।

अलकारेज का यह इस साल का चौथा खिताब है। वह मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले दूसरे युवा खिलाड़ी बन गये हैं। नडाल ने 2005 में 18 साल की उम्र में मोंटेकार्लो और रोम मास्टर्स के खिताब जीते थे। अलकारेज ने पिछले साल 18 वर्ष की उम्र में

19 वर्षीय अलकारेज ने फाइनल में ज्वेरेव को 6–3, 6–1 से पराजित किया

जब पहली बार मैड्रिड ओपन में भाग लिया था तो उनका लक्ष्य अनुभव हासिल करना था, लेकिन एक साल बाद उन्हें अहसास हो गया कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को हरा सकते हैं।

मैड्रिड ओपन जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने अलकारेज ने कहा, 'पिछले साल में पहली बार शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने, मास्टर्स 1000 में खेलने के अनुभव से गुजरा था और मैंने काफी सीख ली थी। इस साल भिन्न था। मैं कोर्ट पर इस आत्मविश्वास के साथ उतर रहा था कि मैं जीत सकता हूं।'

वेंकटेश अय्यर को क्यों निकाल किया बाहर? ब्रेंडन मैकुलम ने खोले राज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। कोलकाता नाइटराइडर्स के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने वेंकटेश अय्यर का समर्थन किया और कहा है कि ऑलराउंडर ने आईपीएल 2022 सीजन में सामान्य प्रदर्शन किया है। वह अभी भी प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वेंकटेश पिछले साल आईपीएल फाइनल तक नाइटराइडर्स के लिए रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक थे। हालांकि अय्यर ने अपने 17 में से केवल 10 मैच खेले थे, लेकिन वह 370 रन के साथ उनके चौथे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में टूर्नामेंट को खत्म किया था। उनके प्रदर्शन के आधार पर उन्हें मेगा नीलामी से पहले केकेआर द्वारा बरकरार रखा गया था, लेकिन इस सीजन में वह बल्ले और गेंद दोनों से नाकाम रहे हैं। सलामी बल्लेबाज के रूप में सात पारियों में सिर्फ 109 रन बनाने के बाद, नाइटराइडर्स ने उन्हें मध्य क्रम में डाल दिया, लेकिन वह यहां भी कमाल नहीं दिखा पाए। मुंबई इंडियंस के खिलाफ 20 से अधिक और सिर्फ एक अर्धशतक के स्कोर के साथ उन्हें अंततः प्लेइंग इलेवन से ही बाहर करना पड़ा।

न्यूज डायरी

कहीं शोएब अख्तर बनने की सनक में बर्बाद न हो जाए टैलेंट!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। उमरान मलिक... वह तेज है। रफ्तार इतनी कि हर तरफ उसका ही भौकाल है। भारतीय मिट्टी में अजूबा की तरह है। हर कोई हैरान है। रवि शास्त्री, इरफान पठान, डेल स्टेन ही नहीं, दुनियाभर के दिग्गज क्रिकेटर एक पेज पर हैं कि उन्हें टीम इंडिया में खिलाया जाना चाहिए। वह तेज इतना है कि हो सकता है पहला इंटरनेशनल मैच खेलते ही भारत का सबसे तेज गेंदबाज होने का तमगा मिल जाए। लेकिन क्या वाकई में यह सही समय है उनके टीम इंडिया में एंट्री की? शायद नहीं... क्यों? इसक जवाब में भी वही दिग्गज दे रहे हैं, जो टीम में एंट्री दिलाना चाहते हैं। सभी एक बात से सहमत हैं कि उमरान टीम इंडिया की जान तभी बनेंगे जब वह तेज होने के साथ तीखे भी बन जाएंगे। उनकी तरकश में जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार जैस स्किल्स हो। उमरान हर मैच में कोशिश कर रहे हैं कि जितना हो सके उतनी तेज बॉलिंग की जाए। वह लाइन लेंथ पर ध्यान नहीं दे रहे।

कोच पोंटिंग ने बताया, दिल्ली कैसे प्लेआफ में बना सकती है जगह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई मुंबई। दिल्ली की टीम को आईपीएल 2022 के 55वें लीग मैच में सीएसके के हाथों 91 रन से बड़ी हार मिली। वैसे इस सीजन में पंत जिस तरह से मैदान पर फैसले कर रहे हैं उसे लेकर पूर्व खिलाड़ियों ने उनकी काफी आलोचना की है, लेकिन इस टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग पूरी तरह से पंत के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। पंत का समर्थन करते हुए पोंटिंग ने कहा कि बाहर से फैसला करना आसान होता है। दिल्ली ने पंत की कप्तानी में अब तक 11 मैच खेले हैं जिसमें 5 में उसे जीत मिली है और 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पोंटिंग ने सीएसके के साथ हुए मैच के बाद कहा कि मैं रिषभ पंत द्वारा मैदान पर लिये गए हर फैसले का पूरी तरह से समर्थन करता हूं। मैंने भी टी20 में कप्तानी की है और मैं जानता हूं कि विशेषकर अत्यधिक दबाव की स्थिति में आपके पास सोचने के लिये बहुत अधिक समय नहीं होता है।

आरआर का तूफानी बल्लेबाज बीच आईपीएल में लौटा वापस अपने देश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में शानदार खेल दिखाते हुए टाप चार टीमों में चल रही राजस्थान रायल्स की टीम को झटका लगा है। टीम के विस्फोटक बल्लेबाज शिमरोन हेयमायर निजी कारणों की वजह से टूर्नामेंट को बीच में छोड़कर वापस अपने देश लौट गए हैं। अपने स्टार बल्लेबाज के स्वदेश लौटने की जानकारी खुद टीम की तरफ से साझा की गई है। उनके जाने से टीम को नुकसान जरूर हुआ है लेकिन वजह खुशी की है इसलिए टीम इसको लेकर उत्साहित है। राजस्थान रायल्स के विस्फोटक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण आइपीएल के बीच से ही गयाना रवाना हो गए। उनके स्वदेश रवाना होने से पहले का वीडियो टीम की तरफ से साझा किया गया है। हेटमायर को टीम के तमाम खिलाड़ियों ने रवाना होने से पहले गले मिलकर शुभकामनाएं दी। रायल्स ने ट्वीट किया, हम उनकी हर तरह से मदद कर रहे हैं और हमारी शुभकामनाएं उनके और उनकी पत्नी निर्वाणी के साथ हैं।

चेन्नई की दमदार जीत के बाद अंक तालिका में बड़ा बदलाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में लगभग सभी टीमों ने 10 या इससे अधिक मैच खेल लिए हैं। 10 टीमों के बीच चल रही एक ट्राफी पाने की जंग अब धीरे धीरे और भी रोमांचक हो रही है। अब टाप चार की तस्वीर थोड़ी थोड़ी साफ होती नजर आ रही है। गुजरात, लखनऊ और राजस्थान की टीमें टाप 4 में बनी हुई है। कोलकाता को 75 रनों के भारी अंतर से हराकर प्वाइंट्स टेबल के टाप पर पहली बार लखनऊ की टीम ने जगह बनाई। लखनऊ की इस शानदार जीत के बाद गुजरात की टीम दूसरे नंबर पर खिसक गई।